सांझ पड़त मरियम अकुलानी	८
सांझ है हे प्रीतम	१८६
सुनिये बिनती हे जगतारा	५०
सुनो ऐ जान मन तुम को	७७
सूरज निकला हुआ सवेरा	७८
हजारहा लड़के खड़े है	१३७
हम पापिन को उधार	१२१
हम यीशु कथा प्रचार करें	१०
हम है पापी अधम	४६
हमद तेरी ऐ बाप तूने बख्शा	४
हमारे दिल की हालत को	८८
हमारा मन लागा यीशु	१८४
हल्लिलूयाह प्रभु	२००
हम जीतते हैं	२०१
हे दया सागर	२०२
हे दयालु स्वर्गी पिता	८८
हे परमेश्वर सकल सृष्ट	८०
हे पियारो पाप से भागो	१४०
हे प्रभु तेरी आज्ञा से	१३२
हे मेरे प्रभु मो पापी उधारियो	५४
हे यीशु मैं गलगथा पर	८७
हो प्रभु अब करहु छेम	४७
हो प्रभु अब करहु पार	४८
हो तो तुम्हो सब के स्वामी	१५०
छेम करो अपराध हमारे	१२५

भूल—तुम हमपर कृपा —१२२
धर्मआत्मा तू ने —१३१